विभागीय प्रतिवेदन

2024 –25

संस्कृत विभाग

विभाग का परिचयः-स्थापना वर्ष–

- स्नातक- 1957
- स्नातकोत्तर- 2003

स्वीकृत पद –

- प्राध्यापक- 01
- सहा. प्राध्यापक- 02

संचालित पाठ्यक्रम-

- स्नातक एवं स्नातकोत्तर

विभाग में कार्यरत प्राध्यापकः-

सहायक प्राध्यापक -02

- डॉ. दिव्या देशपाण्डे(14 जनवरी 2025 तक)
- डॉ. ललित प्रधान आर्य

अतिथि व्याख्याता -01

- डॉ. महेन्द्र नगपुरे
- डॉ. कृष्णदत्त त्रिपाठी(फरवरी2025 से)

संस्कृत साहित्य परिषद

- **अध्यक्ष** - कु. शिल्पा
- **उपाध्यक्ष** – कु. निधि
- **सचिव** – श्री रोहन सिकदर
- **सहसचिव** – कु. प्रीति
- **कार्यकारी सदस्य** :- स्नातकोत्तर स्तर संस्कृत तथा स्नातक स्तर संस्कृत के सभी छात्र संस्कृतसाहित्यपरिषद् के सदस्य होंगें।

अध्ययन मंडल की बैठक - दिनांक 11.05.2024

संस्था के प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देशानुसार संस्कृत विभाग में दिनांक 11.05.2024 को अध्ययन मंडल की बैठक आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार सत्र 2024-25 से सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में केन्द्रीय पाठ्यक्रम समिति द्वारा निर्मित एकीकृत पाठ्यक्रम को लागू किया गया, जिसको स्नातक प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर को यथावत स्वीकृत किया गया तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम गत वर्षानुसार ही रखा गया। पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर हेतु नवीन पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया, स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम गत वर्ष अनुसार ही स्वीकृत किया गया है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

संस्कृत विभाग द्वारा जुलाई के में महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ. दिव्या देशपांडे, डॉ. ललित प्रधान तथा विद्यार्थी गण सम्मिलित हुए।

संस्कृत सप्ताह का आयोजन

दिनांक 16.08.2024 से 22.08.2024

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विभाग द्वारा दिनांक 16.08.2024 **से दिनांक 22.08.2024** तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। प्रतिदिवस निम्नलिखित रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया-

1. दिनांक 16.8.2024 संस्कृत सप्ताह उद्घाटन समारोह
2. दिनांक 17.8.2024 संस्कृत श्लोकपाठ प्रतियोगिता
3. दिनांक 20.8.2024 ग्रन्थ रक्षासूत्र बंधन प्रतियोगिता
4. दिनांक 21.08.2024 संस्कृत व्याख्यान
5. दिनांक 21.8.2024 संस्कृत सप्ताह समापन कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण

संस्कृतसाहित्य परिषद् गठन

(दिनांक 09.11.2024)

दिनांक 09/11/2024 को प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर जी के मार्गदर्शन में प्रा वी ण्यता के आधार पर वर्ष 2024-25 के संस्कृतसाहित्य परिषद् का गठन किया गया। संस्कृतसाहित्य परिषद् के पदाधिकारी एवं सदस्य निम्नानुसार हैं-

अध्यक्ष - कु. शिल्पा

उपाध्यक्ष – कु. निधि साहू

सचिव – श्री रोहन सिकदर

सहसचिव – कु. प्रीति

कार्यकारी सदस्य :- स्नातकोत्तर स्तर संस्कृत तथा स्नातक स्तर संस्कृत के सभी छात्र संस्कृत साहित्य परिषद् के सदस्य होंगें।

दिग्विजय व्याख्यान माला

(दिनांक 09.11.2024)

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 09.11.2024 को दिग्विजय व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान हेतु शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर से डॉ. वसंत वैभव कान्हे (सहायक प्राध्यापक संस्कृत) को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने भारतीय आस्तिक दर्शनों का स्वरुप विषय पर एम. ए. के विद्यार्थियों को सारगर्भित व्याख्यान प्रदान किया

विस्तार गतिविधि

(अग्रणी दिग्विजय : राष्ट्रिय शिक्षानीति- 2020 तथा पोषक विद्यालय संपर्क अभियान दिनांक 09.01.2025)

संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 09.03.2025 को अग्रणी दिग्विजय : राष्ट्रिय शिक्षानीति- 2020 तथा पोषक विद्यालय संपर्क अभियान आयोजित कि गई। इसके अंतर्गत विभाग ने पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी विद्यालय में जाकर कक्षा 12वीं एवं कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को राष्ट्रिय शिक्षा नीति के प्रावधानों एवं नियमों कि जानकारी दी गई।साथ ही पोषक विद्यालय संपर्क अभियान के अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश कि जानकारी दी गई एवं उच्च शिक्षा के प्रति में जागरूक किया गया ।

वसंत पंचमी

(दिनांक 03.02.2025)

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य आदरणीया डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 03.02.2025 को महाविद्यालय में वसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर कार्यालय परिसर में स्थित विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के समक्ष पूजा एवं हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पुरोहित श्री जितेंद्र झा जी के ब्रह्मत्व तथा डॉ. शंकरमुनि राय के सहयोग से संपन्न इस यज्ञ में संस्था के प्राचार्य आदरणीया डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने मुख्य यजमान के कार्य का निर्वहन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वैदिक स्वस्तिवाचन के मंत्रोच्चारण पूर्वक प्राचार्य महोदया के तिलक करण से किया गया । तत्पश्चात् सरस्वती पूजा एवं वैदिक मंत्रों से हवन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने आहुति प्रदान की।

कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग के डॉ. ललित प्रधान, डॉ. महेंद्र नगपुरे के निर्देशन में एम.ए. पूर्वार्द्ध एवं एम. ए. उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

(13, 14 एवं 15 फरवरी)

दिनांक 13 से 15 फरवरी के मध्य महाविद्यालय के हिंदी, अंग्रेजी तथा संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय **"भारतीय साहित्य का वैश्विक स्वरुप : चिंतन एवं विमर्श"** था। इस संगोष्ठी में देश विदेश से भारतीय साहित्य के विशेषज्ञ विद्वान ऑनलाइन एवं भौतिक रूप में सम्मिलित हुए। काठमांडू नेपाल से भाषा आयोग के सदस्य डॉ. गोपाल अश्क, ऑस्ट्रेलिया से डॉ. नुपूर अशोक, रॉयल यूनिवर्सिटी भूटान से डॉ. एस. चित्रा, बांग्लादेश से डॉ. लिटन बैरन सिकदर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से डॉ. सदानंद शाही, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संस्कृत के विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ.सुधीर कुमार, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से डॉ. इन्द्रदेव तिवारी तथा खंडवा के वरिष्ठ साहित्यकार श्रीराम परिहार उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिग्विजय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया,जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा लिखी पुस्तकों कि प्रदर्शनी लगाईं गई। सेमीनार में प्राप्त शोधपत्रों की एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया गया जिसमे हिंदी, अंग्रेजी तथा संस्कृत के 100 से अधिक लेख सम्मिलित थे।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. आर. श्रीधर (कुलपति, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर) ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। डॉ. श्रीराम परिहार ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने की। समापन सत्र के अध्यक्ष के रूप में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा केलकर रही। उद्घाटन एवं समापन सहित कुल 7 सत्रों से युक्त यह संगोष्ठी अत्यंत सफल रही।